भारत-कतर GI उत्पाद बैठक

प्रलिमि्स के लयि:

भौगोलकि संकेतक, भारत कतर व्यापार, APEDA

मेन्स के लयि:

भारत कतर संबंध, भौगोलकि संकेतक, APEDA

चर्चा में क्यों?

हाल ही में भारत सरकार ने भारतीय दूतावास, दोहा और**भारतीय व्यापार एवं पेशेवर परषिद (Indian Business and Professionals Council-IBPC) कतर** के सहयोग से कृषि तथा खाद्य **भौगोलकि संकेतक (GI)** उत्पादों के लयि **वर्चुअल नेटवर्कगि मीट** का आयोजन कयिा।

- इस बैठक ने भारतीय मूल के कृषि और खाद्य उत्पादों एवं वशिषि्ट वशिेषताओं वाले उत्पादों के नरि्यात में भारत की क्षमता को लेकर कतर और भारत के नरि्यातकों तथा आयातकों के बीच बातचीत हेतु मंच प्रदान कयिा।

भौगोलकि संकेतक (GI) टैग:

- **परचिय:**
  - GI एक संकेतक है, जसिका उपयोग एक नशि्चति भौगोलकि क्षेत्र में उत्पन्न होने वाली वशिेष वशिेषताओं वाले सामानों को पहचान प्रदान करने के लयि कयिा जाता है।
  - **'वस्तुओं का भौगोलकि सूचक' (पंजीकरण और संरक्षण) अधनियिम, 1999** भारत में वस्तुओं से संबंधति भौगोलकि संकेतकों के पंजीकरण एवं उन्हें बेहतर सुरक्षा प्रदान करने का प्रयास करता है।
  - यह **वशि्व व्यापार संगठन** के बौद्धकि संपदा अधकिारों (TRIPS) के व्यापार-संबंधति पहलुओं का भी हसि्सा है।
    - **पेरसि कन्वेंशन** के अनुच्छेद 1 (2) और 10 के तहत यह नरि्णय लयिा गया तथा यह भी कहा गया कि औद्योगकि संपत्ति एवं **भौगोलकि संकेतक** का संरक्षण बौद्धकि संपदा के तत्त्व हैं।
  - यह मुख्य रूप से कृषि, प्राकृतकि या नरि्मति उत्पाद (हस्तशलि्प और औद्योगकि सामान) है।
- **वैधता:**
  - भौगोलकि संकेतक का पंजीकरण 10 वर्षों की अवधि के लयि वैध होता है। इसे समय-समय पर 10-10 वर्षों की अतरिक्ति अवधि के लयि नवीनीकृत कयिा जा सकता है।
- **भौगोलकि संकेतक का महत्त्व:**
  - एक बार भौगोलकि संकेतक का दर्जा प्रदान कर दयि जाने के बाद कोई**अन्य नरि्माता समान उत्पादों के वपिणन के लयि इसके नाम का दुरुपयोग नहीं** कर सकता है। यह ग्राहकों को उस उत्पाद की प्रामाणकिता के बारे में भी जानकारी की सुवधिा प्रदान करता है।
  - कसिी उत्पाद का भौगोलकि संकेतक अन्य पंजीकृत भौगोलकि संकेतक के अनधिकृत उपयोग को रोकता है।
  - यह कानूनी सुरक्षा प्रदान करके भारतीय भौगोलकि संकेतकों के नरि्यात को बढ़ावा देता है और वशि्व व्यापार संगठन के अन्य सदस्य देशों को कानूनी सुरक्षा प्राप्त करने में भी सक्षम बनाता है।
  - GI टैग उत्पाद के नरि्यात को बढ़ावा देने में मदद करता है।
- **GI रजसि्ट्रेशन:**
  - GI उत्पादों के पंजीकरण की उचति प्रक्रयिा है जसिमें आवेदन दाखलि करना, प्रारंभकि जाँच और परीक्षा, कारण बताओ नोटसि, भौगोलकि संकेतक पत्रकिा में प्रकाशन, पंजीकरण का वरिोध और पंजीकरण शामलि है।
  - कानून द्वारा या उसके तहत स्थापति व्यक्तयिों, उत्पादकों, संगठन या प्राधकिरण का कोई भी संघ आवेदन कर सकता है।
  - आवेदक को उत्पादकों के हतिों का प्रतनिधित्वि करना चाहयि।
- **GI टैग उत्पाद:**
  - कुछ प्रसद्धि वस्तुएँ जनिको यह टैग प्रदान कयिा गया है उनमें**बासमती चावल, दार्जलिगि चाय, चंदेरी फैब्रकि, मैसूर सलि्क, कुल्लू शॉल, कांगड़ा चाय, तंजावुर पेंटगि, इलाहाबाद सुरखा, फर्रुखाबाद प्रटि, लखनऊ जरदोजी, कश्मीर केसर और कश्मीर अखरोट की**

लकड़ी की नक्काशी शामिल हैं।

- **कृषि GI उत्पाद:**
  - वर्तमान में भारत में **400 से अधिक पंजीकृत भौगोलिक संकेतक हैं**, जिनमें से **लगभग 150 कृषि और खाद्य उत्पाद GI प्राप्त हैं।**
  - 100 से अधिक पंजीकृत GI उत्पाद **कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य निर्यात विकास प्राधिकरण (Agriculture and Processed Food Export Development Authority-APEDA)** अनुसूचित उत्पादों (ताजे फल और सब्जियाँ, प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ, पशु उत्पाद और अनाज) की श्रेणी में आते हैं।

भारत-कतर संबंध:

- **उपराष्ट्रपति की कतर यात्रा 2022 की मुख्य विशेषताएँ:**
- **भारत-कतर स्टार्टअप ब्रिज:**
  - उपराष्ट्रपति ने **"भारत-कतर स्टार्टअप ब्रिज"** का शुभारंभ किया जिसका उद्देश्य दोनों देशों के स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को जोड़ना है।
    - 70,000 से अधिक पंजीकृत स्टार्टअप के साथ भारत वैश्विक स्तर पर स्टार्टअप के लिये **तीसरे सबसे बड़े पारिस्थितिकी तंत्र** के रूप में उभरा है।
    - भारत में **100 यूनिकॉर्न हैं, जिनका कुल मूल्यांकन 300 बिलियन अमेरिकी डॉलर** से अधिक है।
- **पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन:**
  - भारत पर्यावरण की सुरक्षा और जलवायु परिवर्तन का मुकाबला करने के लिये निरंतर प्रयास कर रहा है।
  - उन्होंने **अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (ISA)** की स्थापना और **अक्षय ऊर्जा को बढ़ावा** देने में **भारत के नेतृत्वकर्त्ता की भूमिका का भी उल्लेख किया।**
  - उन्होंने कतर को अपनी **ऊर्जा सुरक्षा में भारत के विश्वसनीय भागीदार** के रूप में स्थिरता के लिये इस यात्रा में भागीदार बनने और ISA में शामिल होने के लिये आमंत्रित किया।
- **व्यापार मंडलों के बीच संयुक्त व्यापार परिषद:**
  - उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की कि भारत और कतर के व्यापार मंडलों के बीच एक संयुक्त व्यापार परिषद की स्थापना की गई है जो निवेश पर एक संयुक्त कार्यबल के माध्यम से निवेश को बढ़ावा देगा।
  - उन्होंने नए और उभरते अवसरों का दोहन करने के लिये **दोनों पक्षों के व्यवसायों को मार्गदर्शन व** सहायता हेतु साझेदारी करने के लिये **इन्वेस्ट इंडिया एवं कतर इन्वेस्टमेंट प्रमोशन एजेंसी** की भी सराहना की।
- **बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग:**
  - उन्होंने **अंतर-संसदीय संघ (IPU)**, एशियाई संसदीय सभा और अन्य बहुपक्षीय मंचों पर भारत एवं कतर के बीच अधिक सहयोग का आह्वान किया।
- **व्यापार:**
  - **कतर को भारत से निर्यात:**
    - **वर्ष 2020 में भारत ने कतर को 1.34 बिलियन अमेरिकी डॉलर की वस्तुओं का निर्यात किया।**
      - भारत द्वारा कतर को निर्यात किये जाने वाले मुख्य उत्पाद चावल, आभूषण और सोना हैं।
      - पिछले 25 वर्षों के दौरान कतर को किया गया भारत का निर्यात 16.5% की वार्षिक दर से बढ़ा है, जो 1995 के 29.3 मिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर वर्ष 2020 में 1.34 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया है।
  - **कतर से भारत को आयात:**
    - **वर्ष 2020 में कतर ने भारत को 7.25 बिलियन अमेरिकी डॉलर की वस्तुओं** का निर्यात किया। कतर द्वारा भारत को निर्यात किये जाने वाले मुख्य उत्पाद पेट्रोलियम गैस, क्रूड पेट्रोलियम और हलोजनेटेड हाइड्रोकार्बन हैं।
    - पिछले 25 वर्षों के दौरान भारत को कतर द्वारा किया गया निर्यात 19% की वार्षिक दर से बढ़ा है, जो वर्ष 1995 के 4 मिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर वर्ष 2020 में 7.25 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया है।
    - भारत के कुल प्राकृतिक गैस आयात में कतर की हिस्सेदारी 41% है।

कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य निर्यात विकास प्राधिकरण (APEDA):

- **परिचय:**
  - APEDA की स्थापना भारत सरकार द्वारा दिसंबर 1985 में संसद द्वारा पारित **कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण अधिनियम** के तहत की गई थी।
  - प्राधिकरण ने **प्रसंस्कृत खाद्य निर्यात संवर्धन परिषद (Processed Food Export Promotion Council-PFEPC)** को प्रतिस्थापित किया।
  - APEDA, जो वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अंतर्गत आता है, ने **वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान कुल कृषि निर्यात में लगभग 50% (24.77 बिलियन अमेरिकी डॉलर)** की हिस्सेदारी के साथ कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया है।
- **कार्य:**
  - वित्तीय सहायता प्रदान करके निर्यात के लिये **अनुसूचित उत्पादों से संबंधित उद्योगों** का विकास।
  - निर्धारित शुल्क के भुगतान पर **अनुसूचित उत्पादों के निर्यातक** के रूप में व्यक्तियों का पंजीकरण।
  - निर्यात के प्रयोजन हेतु अनुसूचित उत्पादों के लिये **मानकों और विशिष्टताओं का निर्धारण।**

- अनुसूचित उत्पादों की **पैकेजिंग में सुधार।**
- भारत के बाहर **अनुसूचित उत्पादों के विपणन** में सुधार।
- निर्यातोन्मुख उत्पादन को **बढ़ावा देना और अनुसूचित उत्पादों का विकास** करना।

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्षों के प्रश्न (PYQs):

प्रश्न. निम्नलिखित में से किसे 'भौगोलिक संकेतक ' का दर्जा प्रदान किया गया है? (2015)

1. बनारस के जरी वस्त्र एवं साड़ी
2. राजस्थानी दाल-बाटी-चूरमा
3. तिरुपति लड्डू

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

(a) केवल 1
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर: C

व्याख्या:

- भौगोलिक संकेतक क (Geographical Indication) का इस्तेमाल ऐसे उत्पादों के लिये किया जाता है, जिनका एक विशिष्ट भौगोलिक मूल क्षेत्र होता है।
  - **दार्जलिंग चाय GI टैग पाने वाला भारत का पहला उत्पाद था।**
- बनारस जरी वस्त्र और साड़ी एवं तिरुपति लड्डू को GI टैग मिला है, जबकि राजस्थान की दाल-बाटी-चूरमा को नहीं।**अतः कथन 1 और 3 सही हैं। अतः विकल्प (C) सही है।**

प्रश्न. भारत ने वस्तुओं के भौगोलिक संकेतक क(पंजीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999 को किसके दायित्वों का पालन करने के लिये अधिनियमित किया? (2018)

(a) अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन
(b) अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष
(c) व्यापार एवं विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन
(d) विश्व व्यापार संगठन

उत्तर: (D)

व्याख्या:

- भौगोलिक संकेतक (GI) एक प्रकार की बौद्धिक संपदा (IP) हैं। **विश्व व्यापार संगठन (WTO),** बौद्धिक संपदा अधिकारों के व्यापार-संबंधी पहलू (Trade-Related Aspects of Intellectual Property Rights- TRIPS) समझौते के तहत बौद्धिक संपदा अधिकारों को मान्यता देता है।
- TRIPS समझौते के अनुच्छेद 22(1) के तहत GI टैग ऐसे कृषि, प्राकृतिक या निर्मित उत्पादों की गुणवत्ता और विशिष्टता का आश्वासन देता है, जो एक विशिष्ट भौगोलिक क्षेत्र में उत्पन्न होता है और जिसके कारण इसमें अद्वितीय विशेषताओं एवं गुणों का समावेश होता है।
- **अतः विकल्प (D) सही है।**

स्रोत: पी.आई.बी.

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/india-qatar-gi-products-meet